मैं गोताखोर, मुझे गहरे जाना होगा

➢➢ इन सात समुंदर में मुझ आध्यात्मिक गोताखोर को डूब जाना है

➳ _ ➳ परमात्म ज्ञान का सागर

→ साकार और अव्यक्त वाणियों की गहराई में जाना

- एक एक महावाक्य की गहराई में जाना होगा
- एकांत में जाकर ज्ञान का चिंतन

➳ _ ➳ परमात्म प्रेम का सागर

→ सेवाओं के विस्तार में इतना न खो जाओ की ज्ञान योग एक डिब्बे में बंद हो जाए

→ सेवाओं को सूक्षम करते जाओ

→ अमृतवेला को full of quality बनाना ही बनाना है

- लगन में मगन हो जाओ
- समय के भान से भी परे हो जाओ - यही है actual आत्मा अभिमानी अवस्था

→ ज्ञान के भिन्न भिन्न पॉइंट्स पर मनन लिखो

→ मनुष्यो का प्यार स्वीकार न करें

- ईश्वरीय प्रेम और मनुष्यों से प्रेम दोनों साथ साथ नहीं हो सकते
- निर्मोही स्थिति होनी चाहिए

➳ _ ➳ परमात्म खजानों / प्राप्तियों का सागर

→ अपने भाग्य / प्राप्तियों का चिंतन

- सांसरिक बातों की चिंतन से बुधी को व्यर्थ से न भरें

➳ _ ➳ परमात्म गुणों का सागर

→ परमधाम का ज्वालामुखी योग

- इस विधि से परमात्मा के सभी गुणों को धारण किया जा सकता है

➳ _ ➳ परमात्म शक्ति का सागर

→ मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ

- परमात्म शक्ति एक ही है ... बस उसके अलग अलग स्वरुप हैं
- जैसे electricity जब बल्ब में जाती है तो प्रकाश देती है... fan में जाती है तो हवा देती है

➳ _ ➳ परमात्म वरदानो का सागर

→ रोजाना की मुरली के वरदान में डूब जाओ

- लक्ष्य रखो... मुझे आज इस वरदान का स्वरुप बनना है

➳ _ ➳ परमात्म संबंधो का सागर

→ हर दिन नए समबन्ध से याद कर याद में रमणीकता लाओ

→ देह के समबन्ध / इन्द्रियाँ आत्मा को तृप्त नहीं कर सकते

- **Infinity Can Not Be Satisfied By Something Which Is Finite…**
- आत्मा को सिर्फ परमात्मा ही तृप्त कर सकते हैं

→ यह अकेले का मार्ग है

- किसी भी लोकिक / अलोकिक देहधारी में स्वयं को अटकाना नहीं है
- Emotional Slavery में स्वयं को न जकड़े... किसी से भीख नहीं मागो की तुम मेरा साथ दो
- **इस संसार में आपका कोई सगा नहीं है**
- हर देह का सम्बन्धी आपको कभी न कभी धोखा देता ही है ... यह सभी का अनुभव है

➢➢ मन के बंधन

➳ _ ➳ देह के भान का बंधन

➳ _ ➳ देह के स्थान का बंधन

➳ _ ➳ देह की भाषा का बंधन

➳ _ ➳ देह के धर्म का बंधन

➳ _ ➳ देह की इच्छाओं का बंधन

➳ _ ➳ देह की भोग का बंधन

➳ _ ➳ देह की पुरानी स्मृतियों का बंधन

➳ _ ➳ देह के संस्कारों का बंधन

मेरे मन को बंधन स्वीकार नहीं.... इस शक्तिशाली संकल्प में स्वयं को टिकाईये

यह सभी बंधन संकल्प से टूटेंगे

हर बंधन सिर्फ एक भ्रम है